हरित क्रांति के क्षेत्रों में उर्वरकों का अधिक उपयोग तथा अधिक सिंचाई के कारण केशिकात्व की क्रिया से हुआ है।

- लवणीय मृदा के उपचार हेतु इसमें जिप्सम का प्रयोग किया जाता है।
- जिन क्षेत्रों में अधिक जिप्सम का प्रयोग होता है वहां भूमि का जलस्तर नीचे गिर जाता है।

77. कथनों पर विचार कीजिए :

कथन (A) : मिट्टी की प्रजातियों में से मृत्तिका अधिकतम जल धारण करती है।

कारण (R) : मृत्तिका में रंध्राकाश बड़े आकार के पाये जाते हैं।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं और (A) का सही स्पष्टीकरण (R) है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं किन्तु (A) का सही स्पष्टीकरण (R) नहीं है।

(c) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।

(d) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है।

पर्वतीय मृदा :- नवीन मृदा है, जो अविकसित

- आलूचा
- पोटाश की उचित मात्रा पायी जाती है।
- पर्वतीय ढालों पर इस मृदा की पतली परत तथा घाटियों में मोटी परत मिलती है।
- विस्तार :-

वनोन्मूलन, अतिचारण, अतिवृष्टि, भूस्खलन, झूम कृषि आदि।

मृदा की समस्याएँ

- मृदा का अपरदन
  - जल अपरदन
    - अवनालिका अपरदन
      - उत्खात
  - वायु से अपरदन
    - चादरी अपरदन
      - मुख्य रूप से मरुस्थल
- मृदा का निम्नीकरण
  या
  अवकर्षण (degradation)
  - गुणवत्ता में ह्रास

सैम की समस्या / जलाधिक्य / जलाक्रांत की समस्या

↓

हरित क्रांति के क्षेत्र

यूकेलिप्टस या सफेदा

मृदा स्वास्थ्य कार्ड :-

विभिन्न प्रकार की मिट्टियों की जल-धारण क्षमता का घटता हुआ क्रम है :

(a) मृत्तिका > गाद > बालू

(b) मृत्तिका > बालू > गाद

(c) बालू > गाद > मृत्तिका

(d) गाद > बालू > मृत्तिका